पटवारी फार्म नं० 15

रजिस्टर इन्तकाल

1060/D.L.R.H.G.P.Knl.

रजिस्टर इन्तकाल गाँव बसई नं० हदबस्त 50 तहसील [illegible] जिला गुड़गांव वर्क नम्बर

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
	इन्द्राज जमाबन्दी गुजश्ता या आखरी बाकी इन्तकाल जिसकी तरमीम मतलूब है।							इन्द्राज जदीद को अब कायम किया जाएगा						
नम्बरशुमार	नं० खाता जमाबन्दी साबक	नाम तरफ या पाह	नाम मलाक व अहवाल	नाम काश्तकार व अहवाल	नम्बर व नाम खेत व रकबा व किस्म जमीन	मामला या लगान	नम्बर खाता जमाबन्दी जदीद	नाम मलाक व अहवाल	नाम काश्तकार व अहवाल	नम्बर व नाम खेत व रकबा व किस्म जमीन	मामला या लगान	किस्म या तारीख इन्तकाल मय व जरहन	फीस दाखल खजाना	रिपोर्ट पटवारी या तसदीक गिरदावर कानूनगो ।
6122	30		दयानन्द-सूरजभान पुत्रान मानसिंह सम भाग 2/3 भाग व देवानन्द-प्रवीन पुत्रान रतनसिंह पुत्र मानसिंह सम भाग $\frac{2}{9}$ भाग व श्रीमती कुसुम देवी विधवा आनन्द पुत्र रतनसिंह $\frac{1}{27}$ भाग बाकी बदस्तूर	बदस्तूर	218 / 317, 219 / 4-6, किता 2 8-3			मैसर्ज दुजबा ओवरसीज प्रा० लि० एम-11 मिडिल सर्किल कनाट प्लेस नई दिल्ली $\frac{25}{27}$ भाग बाकी बदस्तूर	बदस्तूर; हि० 50 $\frac{25}{27}$ भाग	218 / 317, 219 / 4-6, किता 2 8-3; 8-6-8 7-10-18		बय बजरिये रजिस्ट्री वसीका नं० 24689 9/12/10 बदले रु० 943/12500/- [illegible]		[signature] 30-12-2010; [signature] 31/12/10

[signatures] 11/1/11

[stamp] ...बान की, तसदीक की जाती है कि नकल मुताबिक असल है। फीस ... बाबत वसूल पाई। ह० पटवारी

इस जगह से काटिए कि आसानी से जमाबन्दी के साथ नत्थी हो सकें।

24682

878

STATE BANK OF INDIA

Sl. No.

GSR / 001 : 270103

RECEIPT

hD-5129119

भारतीय स्टेट बैंक/ S.B.I.
महरौली रोड गुड़गांव/M.R., Gurgaon
कोड/Code No.01565

STATE BANK OF INDIA ____________ Branch ____________ Code No. ____________

Received a sum of Rs. 66,01,900/-

(Rupees Sixty Six lacs One thousand nine hundred only ____________ only)

from Smt. / Shri M/s Druzba Overseas Pvt Ltd.

s/o, d/o, w/o — N.A —

residing at New Delhi for credit to Government of Haryana account towards Stamp Duty.

Date :

Place :

29 NOV 2010
GURGAON

(Signatures of Authorised Officer)

बयनामा

विक्रेता दयानन्द आदि : क्रेता मैसर्स द्रुजबा ओवरसीज प्रा0 लि0,

1– किस्म वसीका	:	बयनामा
2– मालियती	:	9,43,12,500 /– रूपये
3– स्टाम्प	:	66,01,900 /– रूपये
4– गांव / शहर का नाम	:	बसई / गुड़गांव

दयानन्द

सुमन देवी

Token No. 5626
Hall No. 3
Date 2/12/10

दिनाँक 02/12/2010

प्रलेख न: 24689

डीड सबंधी विवरण		
डीड का नाम SALE WITH IN MC AREA		
तहसील/सब-तहसील गुडगांवा	गांव/शहर बसई	स्थित बसई
भवन का विवरण		
भूमि का विवरण		
चाही	7 Bigha 10 Biswa 18 Biswansi	
धन सबंधी विवरण		
राशि 94,312,500.00 रुपये	कुल स्टाम्प डयूटी की राशि 6,601,900.00 रुपये	
स्टाम्प की राशि 6,601,900.00 रुपये	रजिस्ट्रेशन फीस की राशि 15,000.00 रुपये	पेस्टिंग शुल्क 2.00 रुपये
रूपये		

Drafted By: S.C.Arora

यह प्रलेख आज दिनाँक 02/12/2010 दिन गुरूवार समय 1:32:00PM बजे श्री/श्रीमती/कुमारी Dayand पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Mansingh निवासी द्वारा पँजीकरण हेतु प्रस्तुत किया गया।

हस्ताक्षर प्रस्तुतकर्ता

उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

VIJAY KUMAR YADAV
Joint Sub Registrar

श्री Dayand, Dewanand, Suman Devi, Praveen, Rishipal

उपरोक्त विक्रेता व श्री/श्रीमती/कुमारी B.P.Singh क्रेता हाजिर है। प्रस्तुत प्रलेख के तथ्यो को दोनो पक्षो ने सुनकर तथा समझकर स्वीकार किया। प्रलेख के अनुसार 0.00 रूपये की राशि क्रेता ने मेरे समक्ष विक्रेता को अदा की तथा प्रलेख मे वर्णित अग्रिम अदा की गई राशि के लेन देन को स्वीकार किया।

दोनो पक्षो की पहचान श्री/श्रीमती/कुमारी S.C.Arora पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी निवासी Adv.GGN व श्री/श्रीमती/कुमारी Kawal SIngh पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री/श्रीमती/कुमारी Sukhpal Singh निवासी Vill.-Basai ने की। साक्षी न: 1 को हम नम्बरदार/अधिवक्ता के रूप में जानते है तथा वह साक्षी न:2 की पहचान करता है।

दिनाँक 02/12/2010

VIJAY KUMAR YADAV
Joint Sub Registrar
उप/सयुँक्त पँजीयन अधिकारी
गुडगांवा

5– रकबा	:	7 बीघा 10 बिस्वा 18 बिश्वानसी
6– किस्म अराजी	:	चाही
7– स्टाम्प विक्रेता	:	एस0बी0आई0, महरौली रोड़, गुड़गांव।
8– स्टाम्प नं0 / तारीख	:	क्रमाक न0 270103 GSR/001/ 29-11-2010

हमके दयानन्द –ऋषिपाल पुत्रान मानसिह व देवानन्द –प्रवीन पुत्रान रतन सिह पुत्र मान सिह व श्रीमति सुमन देवी विधवा आनन्द पुत्र रतन सिह निवासीगण गांव बसई तहसील व जिला गुडगावा के है ।

जोकि हम वाका मौजा बसई तह0 व जिला गुडगाँव में अराजी खेवट नं0 30 खतौनी नं0 46, खसरा नं0 218(3–17), 219(4–6), किता 2 कुल रकबा 8 बीघा 3 बिस्वा मे से दयानन्द –ऋषिपाल 2/3 भाग व देवानन्द –प्रवीन 2/9 भाग व श्रीमति सुमन देवी विधवा 1/27 भाग कुल बकदर रकबा 7 बीघा 10 बिस्वा 18 बिश्वानसी के हम बरूये जमांबदी सन 2001–2002 व ईन्तकाल नं0 5705 द्वारा मालिक व काबिज हैं। जोकि उपरोक्त रकवा ताहाल हर किस्म के भार से पाक व साफ है। इस पर कोई सरकारी या गैरसरकारी भार व कर्जा नहीं है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी की बाबत कोई मुकदमा किसी भी अदालत में विचाराधीन है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत विक्रेता ने आज से पहले किसी दीगर शक्स के साथ कोई इकरारनामा, बय, रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा, आदि किया हुआ है, ना ही उपरोक्त विक्रय अराजी एक्वारमैंट ना है, ना ही सरप्लस में है, ना ही उपरोक्त अराजी की बाबत अपने किसी कानूनी वारिसान के नाम कोई कोर्ट डिक्री आज से पहले की है। यह कि उपरोक्त रकवे पर किसी का मौरूसी या गैरमौरूसी हक व हकूक ना है यानि उपरोक्त विक्रय अराजी ताहाल हर प्रकार के भार से पाक व साफ है। अगर उपरोक्त रकवे पर कोई भी रहन, पट्टा, तबादला, हिब्बा,

ऋषिपाल दयानन्द सुमन देवी
देवानन्द प्रवीन

Reg. No.	Reg. Year	Book No.
24689	2010-2011	1

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रलेख क्रमांक 24,689 आज दिनाँक 02/12/2010 को बही नः 1 जिल्द नः 9,753 के पृष्ठ नः 140 पर पैंजीकृत किया गया तथा इसकी एक प्रति अतिरिक्त बही सख्या 1 जिल्द नः 832 के पृष्ठ सख्या 52 से 55 पर चिपकाई गयी। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के प्रस्तुतकर्ता और गवाहो ने अपने हस्ताक्षर/निशान अंगुठा मेरे सामने किये है ।

उप / सयुँक्त पैंजीयन अधिकारी
गुडगांवा

VIJAY KUMAR YADAV
Registrar

दिनाँक 02/12/2010

मौरूसी या गैरमौरूसी पाया जाता है तो उसका हम स्वयं जिम्मेदार होगे वह हम ठीक कराकर देगें व भूमि से किसी प्रकार की मिट्टी ना उठाई गयी है तथा जमीन का लेवल समतल है। अब विक्रेता को बराये सुधार दीगर जायदाद व जरूरत खानगी व सारे परिवार की सहमति से परिवार की जरूरत पूरा करने के लिये रूपयों की जरूरत है इसलिए आज अपने ठीक होश व हवास में बगैर किसी दबाव के अपनी मर्जी व खुशी से अपना सम्पूर्ण हिस्सा अपनी उपरोक्त आराजी रकबा यानि कि कुल 7 बीघा 10 बिस्वा 18 बिश्वानसी को मय सर्व अधिकार सहित व हक हकूक दाखिली खारिज के बदले मु0 9,43,12,500/– रूप्ये (नो करोड तिरतालीस लाख बारह हजार रूप्ये केवल) आधे जिनके मुबलिग 4,71,56,250/– रूपये होते हैं, बाहकः क्रेता मैसर्स द्रुजबा ओवरसीज प्रा0 लि0, एम–11,मिडिल सर्किल कनॉट प्लेस नई दिल्ली को बय व फरोक्त कतई कर दी है। कुल जरे बय बजरिये चैक व नकद वसूल पा लिए है। जोकि निम्न प्रकार से है –

दयानन्द ने मु0 10,000 /– रूप्ये नकद व मु0 11,65,000 /– रूप्ये बजरिए चैक नं0 000281 दिनांक 08–06–2006 व मु0 1,58,01,563/– बजरिए चैक नं0 122263 दिनांक 26–11–2010 व मु0 1,69,76,562/– बजरिए चैक नं0 122268 दिनांक 01–03–2011 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

ऋषिपाल मु0 10,000 /– रूप्ये नकद व मु0 11,65,000 /– रूप्ये बजरिए चैक नं0 000289 दिनांक 08–06–2006 व मु0 1,58,01,563/– बजरिए चैक नं0 122264 दिनांक 26–11–2010 व मु0 1,69,76,562/– बजरिए चैक नं0 122269 दिनांक 01–03–2011 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

देवानन्द ने मु0 10,000 /– रूप्ये नकद व मु0 3,88,000 /– रूप्ये बजरिए चैक नं0 000291 दिनांक 08–06–2006 व मु0 52,58,250/– बजरिए चैक नं0 122265 दिनांक 26–11–2010 व मु0 56,56,250/– बजरिए चैक नं0 122270 दिनांक 01–03–2011 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

सुमन देवी प्रवीन ऋषिपाल दयानन्द देवानन्द

Reg. No.	Reg. Year	Book No.
24689	2010-2011	1

विक्रेता

क्रेता

गवाह

विक्रेता

विक्रेता

Dayand दयानन्द Rishipal ऋषिपाल Dewanand दयानन्द Praveen प्रवीण

Suman Devi सुमन देवी

B.P.Singh

गवाह 1:- S.C.Arora गवाह 2:- Kawal SIngh

प्रवीन ने ने मु0 10,000 /- रूप्ये नकद व मु0 3,88,000 /- रूप्ये बजरिए चैक नं0 000292 दिनांक 08-06-2006 व मु0 52,58,250/- बजरिए चैक नं0 122266 दिनांक 26-11-2010 व मु0 56,56,250/- बजरिए चैक नं0 12227[illegible] दिनांक 01-03-2011 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है।

श्रीमति सुमन देवी ने 10,000 /- रूप्ये नकद व मु0 3,88,000 /- रूप्ये बजरिए चैक नं0 000291 दिनांक 08-06-2006 व मु0 14,92,625/- बजरिए चैक नं0 122267 दिनांक 26-11-2010 व मु0 18,90,625/- बजरिए चैक नं0 122272 दिनांक 01-03-2011 अदाकर्ता बैंक सिटी बैंक नई दिल्ली द्वारा वसूल पा लिऐ है। उपरोक्त लिखित कोई भी चैक अगर अकाउंट में पैसे न होने के कारण अगर बाउंस होता है तो ये रजिस्ट्री कैंसिल समझी जाए।

अब मजकूर खरीदार कम्पनी के जिम्मे किसी किस्म का कोई लेन-देन बाकी नहीं रहा है। कब्जा मौके पर मजकूर खरीदार कम्पनी को उपरोक्त नम्बरान पर कब्जा देकर पूर्ण रूप से अपने जैसा मालिक व काबिज बना दिया है। मैंने खरीदार कम्पनी को उपरोक्त किला नम्बरान पर कब्जा दे दिया है। जोकि अभी से पहले सिर्फ मेरा/हमारा कब्जा ही उपरोक्त किला नम्बरान पर था। और उपरोक्त रकबा और किला नम्बरान से मेरे/हमारे अलावा किसी और का ना ही कोई वास्ता था और ना ही किसी और का कब्जा उपरोक्त रकबा और कीला नम्बरान पर था। अब मजकूर खरीदार कम्पनी अराजी मुबईया को जिस तरह चाहे इस्तेमाल करे विक्रेता को कोई उजर व ऐतराज नहीं होगा। विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा देगा। अगर विक्रेता कागजात माल रिकार्ड में मजकूर खरीदार कम्पनी के नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर ना करा पावे तो मजकूर खरीदार कम्पनी को हक हासिल होगा कि हजां दस्तावेज की रूह से कागजात माल रिकार्ड में अपने नाम दाखिल खारिज दर्ज व मंजूर करा लेवे जिसमें विक्रेता को किसी किस्म का कोई उजर व एतराज ना होगा। आगे भविष्य में रकबा मजकूरा बाला या इसका कोई हिस्सा किसी नुक्स कानूनी या मलकियत के सवाल पर कब्जा खरीदार कम्पनी से निकल जावेगा तो विक्रेता वापसी कुल जरे बय मय हरजा वा खरचा मय लागत की

अदायगी की जिम्मेवार रहेंगे। अब मेरा व मेरे किसी वारिसान का आराजी मुबईया से कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म का नहीं रहा है। हम व हमारे वारिसान इस तहरीर के पाबन्द रहेंगे। तमाम् रजिस्ट्री खर्चा यानि स्टाम्प डयूटी व रजिस्ट्रेशन फीस इत्यादि खर्चा मजकूर खरीदार कम्पनी ने अपनी तरफ से किया है।

अतः यह बयनामा खूब सोच समझ कर, पढ़वाकर, सुनकर, हाजिर गवाहन लिख दिया कि सनद रहे ताकि आगे भविष्य में बावक्त जरूरत काम आवे।

तहरीर तारीखः 01—12—2010

Subhash Chandra Arora
Advocate
Distt. Courts, Gurgaon

दयानन्द ऋषिपाल देवानन्द प्रवीन

ह0 दयानन्द विक्रेता ह0 ऋषिपाल विक्रेता ह0 देवानन्द विक्रेता ह0 प्रवीन विक्रेता

सुमन देवी

ह0 श्रीमति सुमन देवी विक्रेता

ह0 कम्पनी क्रेता
श्री बचित्रपाल सिहं
(बजरिए अधिकृत प्रतिनिधि)

गवाह नं0 1
Subhash Chandra Arora
Advocate
Distt. Courts, Gurgaon

गवाह नं0 2
KAWAL SINGH
S/o SUKH RAM SINGH
R/o VPO BASAI